Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding water crisis in Mithila region.

श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा): सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।… (व्यवधान)

महोदय, मैं आपके माध्यम से एक भीषण समस्या जल संकट, जो मानव जीवन से सीधा जुड़ा हुआ है, के संबंध में सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। सभापति महोदय, आज संपूर्ण बिहार और खासकर मिथिला का क्षेत्र भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। कभी अत्यधिक बाढ़ तो कभी सुखाड़, शायद इस क्षेत्र के लोगों के लिए नियति ही बन चुकी है।…(व्यवधान)

सभापति महोदय, मिथिला क्षेत्र की पहचान को इस पंक्ति के माध्यम से समझा जा सकता है – पग-पग पोखर माछ मखान अर्थात इस क्षेत्र में पोखर और तालाब की बहुलता थी जिसके कारण मछली और मखाना का उत्पादन अत्यधिक होता था।…(व्यवधान)

सभापति महोदय, आज वे पोखर अतिक्रमित होने के कारण विलुप्त होते जा रहे हैं और जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।…(व्यवधान)

सभापति महोदय, यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आजादी के अमृत महोत्सव के इस कालखंड में जल संरक्षण हेतु प्रत्येक लोक सभा क्षेत्र में 75 तालाब खुदवाने का जो निर्णय लिया है, वह सराहनीय कदम है और खासकर मिथिला क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा।… (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Shri Dharambir Singh.

… (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Shri Mohanbhai Kundariya.

… (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Shri Arjunlal Meena.

… (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Dr. Beesetti Venkata Satyavathi.